

धोरण - 7

हिन्दी

10. अंदाज अपना अपना

अध्यास / स्वाध्याय

Sem - 2

दिमागी दौड़

□ भावेशभाई वकील हैं। वह अपनी पत्नी लीना और पुत्र व्रज के साथ सुरत में रहते हैं। छोटा परिवार, सुख का आधार होता है। उनका जीवन भी खुशहाल था। एक बार दीपावली की छुट्टियों में वे तीनों अंबाजी गए। चार दिन बाद वापस आकर देखा तो चौंक गए। उन्होंने देखा कि घर के बाहर जो बगीचा है, उसके पेड़-पौधों के कई फूल-पत्ते झड़ गए हैं।

घर के अन्दर जाकर देखा तो पूरा कमरा धूल से खराब हो गया था। दीवार पर की लीना और व्रज की तसवीरें भी नीचे गिर गई थीं और टूट गई थीं।

नन्हे मुन्ने बच्चो! ऐसा क्यों हुआ होगा? वे समझ नहीं पाए। आप बड़े अक्लमंद हैं, आप ही उन्हें बताइए।

➤ भावेशभाई के घर की हालत देखकर लगता है कि ...

(1) बाहर जोर की आंधी आई होगी।

(2) वेंटिलेशन से हवा के साथ धूल भी घर में आई होगी।

- (3) भूकंप का हल्का झटका आया होगा।
- (4) खिड़की खुली रह गई होगी।
- (5) दरवाजा खुला रह गया होगा।
- (6) चोर आया होगा और जल्दबाजी में कुछ चुराकर चला गया होगा।
- (7) बड़े चूहों ने अंदर घुसकर शरारत की होगी।

□ परेशभाई किसान हैं। उनकी पत्नी हीरलबहन नर्स है। एक दिन सुबह-सुबह हीरलबहन ने पानी के नल के नीचे जल्दबाजी में एक मटका रखा। बाद में नल चालू किया और रसोईघर में चाय बनाने चली गई। चाय बनाने के बाद जब वापस आकर देखा तो मटका खाली था। उसमें पानी नहीं था। हीरलबहन अपने आप पर हँसने लगी।

□ मेरे समझदार दोस्त, अब आप ही बताइए कि ऐसा क्यों हुआ होगा?

- हीरलबहन के मटके में पानी नहीं आया, क्योंकि ...
- (1) नल में पानी बंद हो गया होगा।
 - (2) मटके में दरार होगी।
 - (3) मटके के पैदे में छेद होगा।

- (4) मटका ठीक नल के नीचे नहीं रखा होगा।
- (5) मटके पर गलती से ढक्कन रख दिया होगा।
- (6) मटका उल्टा रखा होगा।

□ सेजल दो गमले लाई। उनमें तुलसी के पौधे थे।
दोनों पौधे लम्बाई, चौड़ाई और ऊँचाई में एक समान
ही थे। एक महीने के बाद दूसरे गमले का पौधा बड़ा
हो गया, जबकि पहले गमले का पौधा अब भी
इतना ही था, जितना एक महीना पहले।

□ मेरे भोले-भोले भेजाबाज दोस्त! ऐसा कैसे हुआ होगा?

आप ही बताइए।

➤ सेजल के पहले गमले का पौधा नहीं बढ़ा, क्योंकि

(1) वह गमले का पौधा प्लास्टिक का या नकली

होगा।

(2) उसमें पानी की कमी रही होगी।

(3) उसे जरूरी हवा और प्रकाश नहीं मिले होंगे।

- (3) उसे जरूरी हवा और प्रकाश नहीं मिले होंगे।
- (4) किसीने पौधे को काट दिया होगा।
- (5) पौधे के गमले से मिट्टी निकाल दी गई होगी।
- (6) गमले में उचित खाद नहीं डाली होगी।

□ तर्क की लगाम, कल्पना के घोड़े आप साइकिल पर स्कूल जा रहे हैं। रास्ते में देखा तो एक आदमी हाथ हिलाकर आपको रुकने का इशारा कर रहा था। आप रुके। उसने कहा कि बगलवाले गाँव में मेरा जाना जरूरी है। आपने उस आदमी को साइकिल पर बिठाया और पासवाले गाँव तक पहुँचाया। वहाँ जाकर आपको पता चला कि वहाँ एक जादूगर का कार्यक्रम होनेवाला है और वह आदमी उसका सहायक है।

उस आदमी ने आपको जादू के खेल देखने का अनुरोध किया,
पर पाठशाला पहुँचने में देरी हो जाएगी, यह सोचकर आपने
मना कर दिया। उस आदमी ने सारी बात जादूगर को बताई।

जादूगर ने खुश होकर आपको एक 'करामाती चश्मे' दिए
और कहा कि, 'इसे पहनने से तुम सब को देख पाओगे और
कुछ भी कर पाओगे, तुम्हें कोई देख नहीं पाएगा।' इसका असर
एक हप्ते तक रहेगा।

आप चश्मा लेकर वापस अपने गाँव की
पाठशाला में आए। वहाँ से घर गए। दूसरे रोज नहा-
धोकर आईने के सामने आपने चश्मे पहने। आईने में
देखा तो सचमुच आप गायब हो चुके थे।

अब आप हमें बताइए कि आप कहाँ-कहाँ जाएँगे
और क्या-क्या करेंगे ?

- जादुई चश्मा पहनकर मैं ...
 - (1) हलवाई की दुकान में जाकर मनचाही मिठाई खाऊँगा।
 - (2) मुफ्त में फिल्म या नाटक देख आऊँगा।
 - (3) मुफ्त में जादू के खेल देख आऊँगा।
 - (4) फुलवारी से फूल तोड़ लाऊँगा।
 - (5) पेड़ पर बैठकर फल तोड़-तोड़कर खाऊँगा।
 - (6) पड़ोसी के घर की चीजें इधर-से-उधर रखकर उन्हें डराऊँगा।

□ पूरे दिन की पढ़ाई और खेल-कूद के बाद रात को आपकी आँख लग गई। नींद में आपने एक सपना देखा। आप घूमते-घूमते बहुत दूर निकल गए। आप नदी-पहाड़ों के अद्भुत सौंदर्य में लीन हो गए। आपको पता भी न चला और आप चलते-चलते जंगल में पहुँच गए। यकायक आपके सामने एक शेर आ गया। शेर को देखकर आपको होश आया। आप घबरा गए। मारे डर के आँखें बंद कर दीं।

आपने ईश्वर को याद किया और कहा, "काश! मेरे पास पंछी
की तरह पंख होते तो...!" तभी चमत्कार हुआ और आप के
हाथ की जगह पंख ऊँग आए। आप उड़कर वापस घर आए।
आप बड़े खुश थे जान भी बची और पंख भी मिल गए। सपना
टूटा। आपने नींद से आँखे खोली। आपने पाया कि आपको
हकीकत में हाथों की जगह पँख मिल गए हैं।

मेरे परिन्दे दोस्त! अब बताइए कि आप कहाँ-कहाँ
जाएँगे और क्या-क्या देखेंगे?

➤ उड़ने के लिए पंख मिल जाने पर

- (1) मैं आसमान में बादल के पास जाकर उन्हें देखूँगा।
- (2) मैं पक्षियों से मित्रता करूँगा।
- (3) मैं पक्षियों के साथ उड़ने की शर्त लगाऊँगा।
- (4) मैं उड़कर बाजार से चीजें ले आऊँगा।

- (5) मैं पेड़ों पर बैठकर फल तोड़कर खाऊँगा।
- (6) मैं पहाड़ों पर जाकर आनंद मनाऊँगा।
- (7) मैं दूर रहनेवाले मित्रों के घर जल्दी पहुँच जाऊँगा।
- (8) मैं जंगल में जाकर शेरों तथा बाघों को नजदीक से देखूँगा।

- इस बार आपकी मजेदार और अनोखी कसौटी होनेवाली है। एक बड़ा जहाज आपको निर्जन द्वीप पर ले जानेवाला है। वहाँ केवल मिट्टी, कंकड़-पत्थर, पहाड़ और समुद्री पानी ही है।
- मेरे बुद्धिमान दोस्त ! वहाँ एक हफ्ते तक सुख-चैन से रहने के लिए आप अपने साथ क्या-क्या ले जाएँगे - सूची बनाइए।

- दीप पर सुख-चैन से रहने के लिए हम अपने साथ,
 - (1) काफी कपड़े ले जाएँगे।
 - (2) खाने के लिए बिस्किट, पोपकोर्न, सेव आदि सूखे खाद्य पदार्थ ले जाएँगे।
 - (3) बादाम, काजू, अंजीर, फल आदि मेवा ले जाएँगे।
 - (4) एक स्टोव भी ले जाएँगे। उस पर खाना बनाने के लिए हम कूकर,आटा, दाल, चावल, मसाले आदि ले जाएँगे।

- (5) एक हफ्ते तक चले उतना पीने का पानी भी ले जाएँगे।
- (6) हम क्रिकेट का सामान, केरम, शतरंज, फुटबॉल और टेनिस खेलने की स्टिक तथा बॉल ले जाएँगे।
- (7) पढ़ने के लिए रोचक और ज्ञानवर्धक पुस्तकें ले जाएँगे।
- (8) एक कॉपी ले जाएँगे जिसमें उस द्वीप पर मिलनेवाली वनस्पतियों, वहाँ के पक्षियों, प्राणियों के बारे में प्राप्त जानकारी लिखेंगे।
- (9) रक्षा के लिए छोटी बंदूक भी ले जाएँगे।

मैं क्यों मानूँ ?

कुछ विज्ञापन में प्रकाशित खास विधानों को गौर से पढ़िए
और उस पर वाद-विवाद कीजिए।

(1) अब नए पैक में!

- हम खरीदेंगे क्योंकि
- नया पैक आकर्षक है।
- नया पैक टिकाऊ है।
- वस्तु का दाम भी पहले से कम है।
- वस्तु की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

(2) शौक बड़ी चीज है!

- मुझे अच्छे खाने, कपड़े पहनने और खेलने का शौक है।
- शौक पूरा करने के लिए मैं पैसों की परवाह नहीं करता।
- शौक जिंदादिल आदमी की पहचान है।
- शौक पूरा करने के लिए मैं दूर भी जा सकता हूँ।
- शौक पूरा करने में ही तो जिंदगी का मजा है।

(3) पहले इस्तेमाल करें फिर विश्वास करें!

- इस्तेमाल करने पर ही तो विश्वास होगा।
- विश्वास होगा तो ही अच्छी बिक्री होगी।
- अच्छी बिक्री होगी तो ही इस विज्ञापन का लाभ मिलेगा।

(4) यहाँ पेट्रोल ही नहीं, विश्वास भी मिलता है!

- आजकल हर चीज मिलावटी होती है।
- यहाँ पेट्रोल में मिलावट नहीं की जाती।

(5) हम सिर्फ गहने ही नहीं बनाते, रिश्ते भी बनाते हैं!

- एक ही जगह गहने बनवाने से एक-दूसरे से अच्छी जान-पहचान हो जाती है।
- परस्पर विश्वास बढ़ता है।
- पैसों के लेन-देन में सहूलियत रहती है।
- गहरी मित्रता भी हो सकती है।

(6) पकाते हैं रसोई, परोसते हैं प्यार !

- हम स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन के लिए वहाँ जाते हैं।
- एक बार खाकर तो देखिए हमारे यहाँ का रुचिकर भोजन ।
- भोजन के स्वाद के साथ हमारी आत्मीयता का भी अनुभव
- हमारे यहाँ हर व्यंजन मिलेगा, वह प्यार के रस से भीगा होगा।

भा र त

मा

शा ली न

सी

ब हा दु र

स

ना ता ल

ड

का ज ल

ग

न ग र

स्व तं त्र ता

जा मु न

म

क स र त

ल

ब त ख

ब

र ब इ

(2) दिए गए वर्णों का उपयोग कर शब्द बनाइए :

वर्ण - म र क न य

उदाहरण : मकान, नया, नामुमकिन

➤ रकम, नमन, नमक, कमर, यमन, नरक, नयन।

(3) दिए गए शब्द में से एक-एक शब्द हटाते जाइए और

➤ सार्थक शब्द बनाइए और उसका अर्थ लिखिए।

उदाहरण : भूचाल- भूकप भूल-खामी, गलती भू-भूमि

➤ (1) दोराहा- जहाँ दो राहे मिलती है।

दोहा-एक छंद

दो-एक संख्या

(2) आराम - विश्राम

आरा - लकड़ी काटने का औजार

राम - अयोध्या के राजा

(3) भारत - देश

भात - पका हुआ चावल

रत - लीन

(4) विवाद - झगड़ा

वाद - मत

(4) दिए गए वाक्य में से शब्द चुनकर, नए वाक्य बनाइए।
काजल ने देखा कि बिल्ली कुर्सी के नीचे बैठकर रोटी खा रही है।

उदाहरण : (1) बिल्ली कसी के नीचे है।

(2) काजल नीचे बैठकर रोटी खा रही है।

- (1) काजल कुर्सी के नीचे है।
- (2) काजल रोटी खा रही है।
- (3) काजल ने देखा बिल्ली रोटी खा रही है।
- (4) काजल ने देखा कि बिल्ली है।
- (5) काजल ने देखा कि कुर्सी है।
- (6) काजल नीचे बैठ रही है।

**(5) निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और रेखांकित शब्दों
का लिंगबदलकर परिच्छेद फिर से लिखिए :**

लड़के ने कहा, “मैं तम्हें अपने बचपन की घटना
सुनाता हूँ। एक बार में जोश में आ गया और एक हिरन का
कान तोड़ दिया। फिर घोड़ी की पूँछ इतनी ज़ोर से खींची
की उखड़ गई। बाद में मैंने मोर की गरदन मरोड़ दी और
शेर का मुहँ। खोलकर उसके दाँत तोड़ दिए। आपको यकीन
नहीं होता? घटना बिलकुल सच है।

आगे सुनिए, आपको विश्वास हो जाएगा। मैंने जैसे ही हाथी की सुंड पर हाथ रखा कि दुकानदार ने मुझे दो थप्पड़ मारे और हाथ खींचकर मुझे खिलौने की दुकान । बाहर निकाल दिया।“

- लड़की ने कहा, “मैं तुम्हें अपने बचपन की घटना सुनाती हूँ । एक बार जोश में आ गई और एक हिरनी का कान तोड़ दिया। फिर घोड़े की पृछ इतनी जोर खींची कि उखड़ गई। बाद में मैंने मोरनी की गरदन मरोड़ दी और

शेरनी का मुँह खोलकर उसके दाँत तोड़ दिए। आपको यकीन नहीं होता? घटना बिलकुल सच है। आगे सुनिए, आपको विश्वास हो जाएगा। मैंने जैसे ही हथिनी की सूँड पर हाथ रखा कि दुकानदार ने मुझे दो थप्पड़ मारे और हाथ खींचकर मुझे खिलौने की तकान से बाहर निकाल दिया।"

Thanks



For watching